खबर संक्षेप

बच्चों को दी गई सुरक्षा, सतर्कता और साइबर जागरूकता की सीख

शहडोल। जिले के देवलोंद, बुढ़ार, जयसिंहनगर और सीधी क्षेत्र के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में मुस्कान अभियान* के तहत छात्र-छात्राओं को व्यक्तिगत सुरक्षा और साइबर सतर्कता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को गुड टच-बैड टच की पहचान, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाले अपराध, साइबर धोखाधड़ी और ऑनलाइन सुरक्षा उपायों को सरल भाषा में समझाया गया।
अधिकारियों ने बच्चों को बताया कि यदि कोई व्यक्ति अनुचित स्पर्श करे, धमकाए, बहलाने-फुसलाने की कोशिश करे या गोपनीय रखने का दबाव डाले, तो तुरंत माता-पिता, शिक्षक या पुलिस से मदद लें। उन्हें यह भी समझाया गया कि इंटरनेट पर अनजान लोगों से बातचीत न करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, अपनी निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें और किसी भी संदेहास्पद ऑनलाइन गतिविधि की सूचना तुरंत हेल्पलाइन 1098 पर दें।
इस दौरान एसडीओपी मुकेश अबिद्रा, थाना प्रभारी सीधी निरीक्षक सेवेंद्र राम भगत, निरीक्षक रामकुमार गायकवाड़, उपनिरीक्षक सुभाष दुबे और उपनिरीक्षक वर्षा बैगा सहित पुलिस टीम उपस्थित रही। अधिकारियों ने बच्चों को भरोसा दिलाया कि पुलिस हमेशा उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है और किसी भी परेशानी की स्थिति में वे तुरंत मदद मांगें।

वाहन चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार, 6 मोटरसाइकिलें बरामद

शहडोल। क्षेत्र में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के तहत बुढ़ार थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। मुखबिर की सूचना पर तीन आरोपी मोटरसाइकिल चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए हैं और उनकी निशानदेही पर 06 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। पुलिस ने दीपक सोनी उम्र 34 वर्ष निवासी पकरिया, अभिषेक सोनी उम्र 28 वर्ष निवासी भुतही मोहल्ला और अरविंद सोनी उम्र 35 वर्ष निवासी पकरिया सभी आरोपी थाना बुढ़ार को गिरफ्तार किया हैं।
प्रारंभिक पूछताछ में दीपक और अभिषेक ने स्वीकार किया कि वे विभिन्न स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी कर अरविंद सोनी को बेचने के लिए देते थे। बुढ़ार पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में दर्ज अपराधों के आधार पर विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया। इस अभियान में थाना प्रभारी बुढ़ार निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में नवीन सिंह, प्रधान आरक्षक लवकेश शुक्ला, प्रधान आरक्षक शंकर शुक्ला, प्रधान आरक्षक महेंद्र, प्रधान आरक्षक बसंता सिंह और आरण्गोपाल की सक्रिय भागीदारी और सराहनीय योगदान रहा।पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई वाहन चोरी पर अंकुश लगाने और आम जनता को सुरक्षा का भरोसा दिलाने के उद्देश्य से की गई है, और भविष्य में ऐसे अपराधों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी।

बिजली कनेक्शन में भी बड़े खेल के आरोप

शहडोल में चरम पर 'दुर्गा टेंट हाउस' की मनमानी

श्रम कानूनों की धज्जियां, प्रदूषण नियमों का खुला उल्लंघन

शहडोल। संभागीय मुख्यालय सहित जिले के प्रमुख कस्बों में टेंट कारोबारियों की मनमानी लगातार बढ़ती जा रही है। खासकर दुर्गा टेंट हाउस के संचालक बलराम उर्फ़ बल्लू गुप्ता पर श्रम कानूनों, बिजली नियमों और प्रदूषण नियंत्रण मानकों के खुले उल्लंघन के गंभीर आरोप सामने आए हैं। दर्जनों नहीं, सैकड़ों कर्मचारी बिना पंजीयन, बिना सुरक्षा और बिना सुविधाओं के काम करते दिख जाते हैं, जबकि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। जिला मुख्यालय में दुर्गा टेंट हाउस का नाम वर्षों से बड़े कारोबारी के रूप में लिया जाता है। संचालक बलराम गुप्ता (बल्लू) की फर्म न सिर्फ टेंट की सेवाएं देती है, बल्कि शहर में दो से तीन बड़े बारात घर भी किराए पर लेकर वहां आयोजन करवाती है। इन बारात घरों में महिला-पुरुष मिलाकर सैकड़ों कर्मचारी काम कर रहे हैं, लेकिन श्रम विभाग में इसका न तो पंजीयन है और न ही किसी श्रमिक का रिकॉर्ड। श्रम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बलराम गुप्ता ने आधा सैकड़ा श्रमिकों तक का भी कोई पंजीयन नहीं कराया है, जबकि वर्षों से बड़े पैमाने पर श्रमिक लगाए जा रहे हैं।

मजदूरों की सुरक्षा पर कुठाराघात

टेंट हाउस के काम में कैटरिंग, लाइटिंग, डेकोरेशन, डांसर, साउंड टेक्नीशियन और परिवहन सहित कई प्रकार की अस्थायी व स्थायी सेवाएं शामिल होती हैं, जिनमें श्रम नियमों के अनुसार

कर्मचारियों को वेतन, मेडिकल सुविधा, पीएफ, बीमा, कार्य अवधि और सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है। लेकिन दुर्गा टेंट हाउस में ना तो कर्मचारियों का वेरिफिकेशन कराया गया है और ना ही किसी को वेतन बैंक खाते में मिलता है। कैश पेमेंट, 12-15 घंटे की ड्यूटी और बिना किसी मेडिकल सुरक्षा के काम करवाना यहां पुरानी परंपरा बन चुका है। मजदूरों की सुरक्षा और अधिकारों पर खुलेआम कुठाराघात होते हुए भी श्रम विभाग ने कभी जांच करने की जरूरत नहीं समझी।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइन को भी तिलांजलि

दुर्गा टेंट हाउस और शहडोल के अन्य बड़े बारात घरों में हर आयोजन के बाद भारी मात्रा में गंदा पानी, तेलयुक्त अवशिष्ट, बदबूदार कचरा और प्लास्टिक वेस्ट निकलता है, जिसे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइन के अनुसार उपचारित करना अनिवार्य है। नियमों में साफ लिखा है कि शादी-समारोह स्थल पर वेस्ट मैनेजमेंट के लिए 'ड्राई—वेट वेस्ट सेग्रिगेशन', 'ट्रीटमेंट प्लांट' और 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन' की व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन शहडोल में स्थिति बिल्कुल उलट है, बारात घरों का गंदा पानी सीधे नालियों में छोड़ा जाता है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में बदबू, जलभराव और पर्यावरण प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है। प्लास्टिक डिस्पोजेबल, खाने का कचरा, सजावट सामग्री और तेलयुक्त अपशिष्ट को खुले में फेंकना यहां सामान्य बात हो चुकी है। कचरे के निष्पादन की कोई व्यवस्थित प्रक्रिया नहीं और ना ही स्थानीय निकाय के मानकों का पालन। इसके बावजूद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अब तक किसी भी बारात घर या टेंट हाउस पर कोई कार्रवाई नहीं कर पाया है।

बिजली विभाग से सांठगांठ?

शादी-समारोहों के लिए टेंट लगाने पर विद्युत विभाग के नियमों के अनुसार 'टेम्पररी टच कनेक्शन' लेना अनिवार्य होता है। इसके लिए अलग मीटर, निर्धारित लोड और बिलिंग का प्रावधान है। लेकिन शहर में कई टेंट कारोबारी बिजली विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत से शादी-समारोहों में सीधे बिजली चोरी करते हैं। दुर्गा टेंट हाउस के संदर्भ में भी आरोप हैं कि कई बारात घरों में बिना टच कनेक्शन के ही भारी लोड वाली लाइटें, साउंड सिस्टम और मशीनें चलती हैं। अस्थायी कनेक्शन उठाने के बजाय डाइवर्शन लाइन, ढीले तार और सीधी सप्लाई से बिजली ली जाती है। यह न केवल विभाग को लाखों का नुकसान पहुँचाता है बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी बड़ा खतरा है। कई आयोजन स्थलों पर अतिभारित कनेक्शन के कारण शॉर्ट सर्किट, आगजनी और दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, परंतु विभाग इस पर आंख मूंदकर बैठा है।

सवालों के घेरे में प्रशासन और पुलिस की चुप्पी

सबसे गंभीर सवाल यह है कि यह सब वर्षों से चल रहा है, फिर भी श्रम विभाग, नगरपालिका, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और पुलिस की ओर से कोई सख्ती क्यों नहीं होती? मजदूरों का वेरिफिकेशन न होना कानूनन अपराध है, क्योंकि दूसरे जिलों और राज्यों से लाए गए कई व्यक्तियों के कारण क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं भी हो चुकी हैं। इसके बावजूद हर साल पुराने तरीके से पूरा सेटअप फिर शुरू हो जाता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि कुछ अधिकारी मौसमी सेवा-सत्कार और अन्य लाभों के बदले इस पूरे नेटवर्क को अनदेखा करते हैं। नतीजा यह है कि अवैध, असुरक्षित और अनियमित टेंट कारोबार लगातार फल-फूल रहा है, जबकि श्रमिक, पर्यावरण और उपभोक्ता सभी इसके दुष्परिणाम झेल रहे हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सडक़ सुरक्षा बैठक सम्पन्न, दुर्घटनाओं पर लगेगी लगाम

शहडोल। जिले में बढ़ती सडक़ दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सडक़ सुरक्षा सप्ताह की महत्वपूर्ण बैठक कलेक्टर कार्यालय स्थित विराट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर त्वरित तकनीकी सुधार, संकेतक बोर्ड लगाने, रम्बल स्ट्रिप बनाने, व्हाइट पेंट से चिन्हांकन करने तथा आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश निर्माण एजेंसियों को सख्ती से दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को खतरनाक मोड़ों पर साइनेज एवं चेतावनी बोर्ड लगाने, सडक़ किनारे झाडिय़ाँ साफ करने तथा दृश्यता बढ़ाने के निर्देश भी दिए।
कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्रों में व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था लागू करने, भीड़भाड़ वाली सडक़ों पर गति अवरोधकों के निर्माण तथा स्ट्रीट लाइटिंग सुधारने के निर्देश नगरपालिका अधिकारियों को देते हुए कहा कि यातायात सुरक्षा में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
बैठक में पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, एमपीआरडीसी सहित नगरपालिका अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक श्रीवास्तव ने बताया कि देवलोंद, ब्यौहारी, जयसिंहनगर, गोहपारू, शहडोल, बुढार तथा जैतपुर थानों में सर्वाधिक सडक़ दुर्घटनाओं के प्रकरण सामने आए हैं। जिले के नेशनल हाइवे पर 18 महत्वपूर्ण ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जहां सर्वाधिक हादसे दर्ज हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्गों से जुडऩे वाली ग्रामीण सडक़ों के मोड़ों पर दुर्घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं, ऐसे में वहां रम्बल स्ट्रिप, साइनेज बोर्ड और सफेद पेंटिंग अत्यंत आवश्यक है, ताकि वाहन चालक पहले से सतर्क होकर गति नियंत्रित कर सकें।
उन्होंने निर्माण एजेंसियों को पुलिस एवं यातायात विभाग के साथ संयुक्त निरीक्षण कर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि छोटे-छोटे तकनीकी सुधार और थोड़ी सी सावधानी बड़े हादसों को रोक सकती है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सडक़ सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभाग समन्वित अभियान चलाएंगे।

रात 10 से सुबह 6 बजे तक तेज आवाज पर रोक

नियम तोडऩे पर होगी कड़ी कार्रवाई: एसडीएम

शहडोल। ध्वनि प्रदूषण पर लगाम कसने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सोहागपुर अनुविभाग में डी.जे. संचालकों की बैठक का आयोजन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में उप पुलिस अधीक्षक राघवेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा तय दिशा-निर्देशों का पालन हर हाल में अनिवार्य होगा।
एसडीएम गर्ग ने निर्देश देते हुए कहा कि रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्र—चाहे डी.जे. हो, साउंड बॉक्स हो या अन्य कोई मशीन का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रतिबंधित अवधि में तेज आवाज बजाई जाती है, तो संबंधित संचालक एवं आयोजकों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा उपकरणों को तत्काल जब्त कर लिया जाएगा।
उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल के भीतर भी ध्वनि 120 डेसीबल से अधिक नहीं होनी चाहिए। तेज आवाज का कंपन (बेस) आस-पास के क्षेत्रों में गंभीर परेशानी उत्पन्न करता है, इसलिए इसे नियंत्रित रखना आवश्यक है। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि अस्पतालों, विद्यालयों, धार्मिक स्थलों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों के आस-पास किसी भी स्थिति में डी.जे. का उपयोग नहीं किया जाएगा।एसडीएम ने डी.जे. संचालकों को हिदायत दी कि वे अपने सिस्टम में साउंड लिमिटर लगाएँ तथा कार्यक्रम शुरू होने से पहले स्थानीय पुलिस को अनिवार्य रूप से सूचित करें। उन्होंने यह भी कहा कि ध्वनि प्रदूषण केवल कानून का मुद्दा ही नहीं है, बल्कि समाज की शांति, बुजुर्गों, मरीजों और बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ा संवेदनशील विषय है। उप पुलिस अधीक्षक द्विवेदी ने बताया कि पुलिस द्वारा विशेष निगरानी की जाएगी और शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन ने साफ कर दिया कि नियम उल्लंघन पर किसी भी तरह की छूट नहीं दी जाएगी और ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए विभाग संयुक्त रूप से सख्त अभियान चलाएंगे।

वाहन चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए थाना जयसिंहनगर पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। दिनांक 21 नवंबर 2025 को फरियादी राजू अहिरवार ने अपनी मोटरसाइकिल अस्पताल परिसर में खड़ी की थी, लेकिन शाम तक वह गायब हो गई। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर सूचना और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखी। तत्पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चोरी की वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान बृजेश अहिरवार पिता मथुरा रैदास, ग्राम बुदरी और राजेश सिंह गोंड पिता बुद्धसेन सिंह गोंड, ग्राम दरैन के रूप में हुई। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार की। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में पेश किया। थाना प्रभारी जयसिंहनगर अजय कुमार बैगा के निर्देशन में यह कार्रवाई पूरी की गई। इस अभियान में टीम सदस्य रुस्तम सिंह की भी विशेष भूमिका रही। पुलिस ने कहा कि वाहन चोरी पर सख्त निगरानी जारी रहेगी और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आदिम जाति कल्याण विभाग के निरीक्षक संदीप सिंह का निधन

उमरिया। जिले के पुराने बस स्टैंड के पास हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आदिम जाति कल्याण विभाग के निरीक्षक संदीप सिंह धुर्वे का आकस्मिक निधन हो गया। घर में अकेले रहने वाले संदीप सिंह धुर्वे को पड़ोसियों ने अचेत अवस्था में पड़ा देखा। देर तक उनका बाहर न दिखना चिंता का कारण बना और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस पहुंची और उन्हें बेहोशी की हालत में पाया। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संदीप सिंह धुर्वे पिछले दो दिनों से कार्यालय नहीं पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ महीनों में उन्हें दो बार अटैक आया था, जिससे उनके स्वास्थ्य को लेकर पहले से ही चिंता बनी हुई थी। घर में अकेले रहने के कारण उनकी तबीयत बिगडऩे की जानकारी समय पर किसी को नहीं हो पाई।
संदीप सिंह धुर्वे मूल रूप से छिंदवाड़ा जिले के निवासी थे और वर्ष 2006 से आदिम जाति कल्याण विभाग में सेवायें दे रहे थे। उनके साथ काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारी उन्हें शांत स्वभाव और जिम्मेदार अधिकारी के रूप में याद कर रहे हैं। अचानक हुए निधन ने विभाग और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है। पुलिस ने कमरे की परिस्थितियों और आसपास के तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना आरंभ कर दी है। परिजनों को सूचना दे दी गई है और अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है। स्थानीय लोगों ने कहा कि यदि किसी को समय रहते उनकी तबीयत के बारे में जानकारी मिल जाती, तो शायद उन्हें बचाया जा सकता था। इस घटना ने अकेले रहने वाले व्यक्तियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य निगरानी को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न कर दी है। विभागीय अधिकारी और कर्मचारी इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़े होने का भरोसा दे रहे हैं।

बाघिन और उसके शावकों का मझौली गांव में आतंक

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से सटे मझौली गांव में इन दिनों बाघिन के आतंक से ग्रामीणों की नींद उड़ गई है। पनपथा परिक्षेत्र के पास इस बाघिन ने अपने तीन शावकों के साथ डेरा डाल लिया है, और बीते दो दिनों से वह लगातार गांव के नजदीक घूमती नजर आ रही है। ग्रामीणों ने खेतों और रास्तों में बाघिन को कई बार देखा है, जिसके चलते लोग घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं। खेतों में काम ठप हो गया है और शाम ढलते ही पूरा गांव सुनसान हो जाता है।स्थानीय लोगों ने मोबाइल में वीडियो भी बनाए हैं, जिनमें बाघिन अपने शावकों के साथ गश्त करती दिख रही है। इस पर वन विभाग की टीम ने गांव का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और तुरंत अलर्ट जारी कर दिया। ग्रामीणों को जंगल के किनारे वाले हिस्सों में न जाने की चेतावनी दी गई है।
ग्रामीणों का कहना है कि बच्चे स्कूल जाने में डर रहे हैं, जबकि पशुपालक अपने मवेशियों को खुले में नहीं छोड़ पा रहे। कई परिवार रात में आग जलाकर घरों की रक्षा कर रहे हैं। क्षेत्र के बुजुर्ग बताते हैं कि पहले भी बाघों की मूवमेंट देखी गई थी, लेकिन इस बार बाघिन शावकों के साथ रुक गई है, जिससे खतरा और बढ़ गया है। वन विभाग और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम ने गांव के आसपास पेट्रोलिंग बढ़ा दी है। टीम ड्रोन कैमरों के माध्यम से बाघिन की हर गतिविधि पर नजर रख रही है और लाउडस्पीकर के जरिए ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की जा रही है। अधिकारी बताते हैं कि शावक अभी छोटे हैं और बाघिन उन्हें सुरक्षित जगह तलाशने के लिए लेकर घूम रही है। यदि समय रहते बाघिन को जंगल की ओर नहीं लौटाया गया तो जनहानि की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल पूरे गांव में रेड अलर्ट जैसे हालात बने हुए हैं और लोग प्रशासन से जल्द समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

शहडोल। जिला मुख्यालय के पाली रोड स्थित न्यायालय गेट के सामने सडक़ किनारे एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मॉर्निंग वॉक के दौरान लोगों ने युवक को मृत अवस्था में पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।
पुलिस ने मृतक की पहचान दीनदयाल बैगा उम्र 30 वर्ष पुत्र मुन्ने लाल, निवासी भीमा डोंगरी, जिला उमरिया, थाना पाली के रूप में की। पूछताछ में स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक कल शाम न्यायालय गेट के पास बैठा था और नशे की हालत में था। मृतक के परिजनों ने भी पुलिस को बताया कि दीनदयाल शराब पीने का आदी था और कल दोपहर घर से निकला था, लेकिन रात भर वापस नहीं लौटा। सुबह उसकी तलाश के दौरान शव न्यायालय गेट के सामने पाया गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, युवक टी-शर्ट और पैंट पहने हुए था। प्रारंभिक अनुमान है कि शराब के नशे में वह सडक़ किनारे सो गया होगा और ठंड की वजह से उसकी मौत हुई। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मामले पर मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी गई है। अधिकारी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आसपास के सीसीटीवी फुटेज और गवाहों से पूछताछ कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि नशे में रहने वाले व्यक्ति पर समय पर निगरानी होती, तो ऐसी अनहोनी रोकी जा सकती थी। इस घटना ने अकेले रहने वाले युवाओं की सुरक्षा और शराब के नशे में पडऩे के खतरों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने कहा कि मामले की गहन जांच कर वास्तविक कारण उजागर किया जाएगा।

खबर संक्षेप

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के लिए लक्ष्य निर्धारित

उमरिया। संयुक्त कलेक्टर ने बताया कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस वर्ष 2024-25 के उपलक्ष्य में तीन लाख बारह हजार दो सौ मात्र का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके लक्ष्य की पूर्ति करने हेतु जिला के सर्व संबंधित विभागों को निर्धारित राशि अमलगमेटेड एक्सससर्विसमेन बेनोवलेण्ट फंड शहडोल मप्र के नाम जिला सैनिक कल्याण कार्यालय शहडोल मप्र अथवा स्टेट बैंक आफ इण्डिया शाखा शहडोल में जमा कराये जाने हेतु जिला उमरिया के कार्यालयों/विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया है। जो राशि जमा की जावेगी, वह युद्ध के शहीदों, विधवाओं एवं भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए है, जिस हेतु 30 नवंबर 2025 तक एकाउंट में राशि जमा कराये जाने हेतु नियत है। उन्होने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस निधि में दान की हुई राशि पूर्णतः आयकर अधिनियम 1961 की धारा अंतगत आयकर से मुक्त होगी। इसके अलावा उक्त दान कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से अधिक दान दे सकता है। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस निधि में व्यक्तिगत रूप/संस्था से राशि रु रूपये एक लाख या उससे अधिक दान देने वाले दानदाताओं/संस्थाओं को राज्यपाल मध्यप्रदेश द्वारा उन्हें राजभवन भोपाल में ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए सैनिक कल्याण कार्यालय शहडोल मो नं- 8601337696 पर संपर्क कर सकते हैं।

5 दिसंबर को जिला सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक

उमरिया। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने बताया कि जिला सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक 5 दिसंबर को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट कार्यालय सभागार कक्ष उमरिया में आयोजित की गई है। बैठक में जिला सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की कार्यवाही विवरण की समीक्षा,नाबार्ड राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास द्वारा वर्ष 2026-27 का विमोचन एवं विस्तृत चर्चा, वित्तीय साक्षरता अभियान एवं प्रत्येक माह ग्रामीण शाखाओं के द्वारा शिविर आयोजन की समीक्षा,ग्राम पंचायत स्तर पर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, केवायसी नामांकन आदि के तिमाही अभियान की प्रगति, एसबीआई आरसेटी द्वारा प्रायोजित एवं इनके संवितरण पर चर्चा,सी एम हेल्प लाइन लंबित शिकायतों का निराकरण के सम्बन्ध में चर्चा , प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना की समीक्षा ,जिला व्यापार उधोग केंद्र विभाग के योजनाओं की समीक्षा , आदिवासी वित्त विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा,मत्स्य विभाग पशुपालन विभाग एवं कृषि विभाग के केसीसी की प्रगति की समीक्षा,राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग एवं जिला शहरी विकास अभिकरण विभाग की योजनाओं की समीक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के घटक अंतर्गत वर्ग के पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने पर चर्चा,प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा,प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन उद्यम योजना की समीक्षा,शासकीय योजनाओं में लंबित ब्याज अनुदान और फीस का दावा संबंधी समीक्षा सहित अन्या बिंदुओ पर चर्चा की जाएगी ।

स्वच्छता बनाये रखने किया जा रहा निरीक्षण

कटनी। नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर की स्वच्छता को लेकर महापौर श्रीमती प्रीति सजीव सूरी एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देशानुसार सभी वार्डों में सफाई कर्मियों की उपस्थिति, कार्य-क्षेत्र और समय-सारिणी का डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से निरीक्षण किया जा रहा है, जिससे किसी भी क्षेत्र में सफाई संबंधी लापरवाही की संभावना कम हो सके। प्रातःकालीन प्रथम पाली में मुख्य बाजार एवं व्यस्त मार्गों की सफाई को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि आवासीय क्षेत्रों में नालियों की सफाई, कचरा संग्रहण तथा झाड़ू कार्य निर्धारित समयानुसार किया जा रहा है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों को तय रूट प्लान के अनुसार चलाने के भी निर्देश दिए गए हैं, जिससे गीला व सूखा कचरा पृथक रूप से संग्रहित होकर सीधे निस्तारण केंद्र तक पहुंच सके।

1 दिसंबर से किया जाएगा समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिले में धान उपार्जन का कार्य 1 दिसंबर से किया जाएगा , जो आगामी 20 जनवरी तक चलेगा । उन्होने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 मे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन कार्य हेतु शासन से स्वीकृत 42 धान उपार्जन केंद्रो में से जिला उपार्जन समिति की अनुशंसा पर कुल 36 धान उपार्जन केंद्र बनाएं गए है। जिले मे समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए कुल 27949 में से 2130 किसानो ने स्लॉट बुकिंग करा ली है। उन्होने बताया कि धान विक्रय हेतु स्लॉट की बुकिंग 25 नवंबर से विंडो खुल गई है एवं कृषकों के लिये स्लॉट बुकिंग की सुविधा प्रारम्भ हो गयी है, जो किसान धान विक्रय हेतु अपना स्लॉट बुक करना चाहते है वे किसान अपना स्लॉट बुक कर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन योजना का अधिक से अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं ।

36 धान उपार्जन केंद्र बनाए गए

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिले में शासन से स्वीकृत 42 में से जो 36 उपार्जन केंद्र बनाए गए है उनमें आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित उमरिया (केन्द्र उमरिया सब्जी मण्डी ओपन कैप उमरिया, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति उमरिया (केन्द्र सलैया-5 माँ ज्वाला जी वेयर हाउस धनवाही,आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित चंदिया (केन्द्र चंदिया बेसहनी कैप,आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मजमानी कला (केन्द्र कौडिया-22, , आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पथरहटा (केन्द्र कोयलारी-2), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पथरहटा (पथरहटा), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बडखेरा (केंद्र निगहरी माँ शारदा वेयर हाउस निगहरी) आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बडखेरा (केन्द्र हर्रवाह के.पी.एस.वेयर हाउस सिलपरी,आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पिण्ड्रा अखडार (केन्द्र ताला, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पिण्ड्रा अखडार (केन्द्र अखडार), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित करकेली (केन्द्र करकेली),आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कंचनपुर (केन्द्र घुलघुली), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित छादाखुर्द (केन्द्र छादाकला) शामिल है । इस तरह आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित छादाखुर्द (केन्द्र निपनिया वेयर हाउस गोदाम),आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित ददरौडी (केन्द्र बरबसपुर अन्नपूर्णा वेयर हाउस बडेरी),आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित ददरौडी (केन्द्र कछराटोला), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित गढपुरी (केन्द्रन परासी-2), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कौठिया (केन्द्र पनपथा),आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कौठिया (केन्द्र उमरिया बकेली), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मानपुर (केन्द्र मानपुर अदिती वेयर हाउस मानपुर),आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित नौगंवा (केन्द्र नौगंवा),आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित नौगंवा (केन्द्र छपरौड), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिंगुडी (केन्द्र सिंगुडी),आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिगुडी (केन्द्र सिंगुडी केन्द्र क्रमांक -2 दुर्गा वेयर हाउस खुटार) शामिल है । इसी प्रकार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कुम्हरवाह (केन्द्र डोडका), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कुम्हरवाह (केन्द्र बडखेरा), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कठार (केन्द्र कठार) , आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बल्होड (केन्द्र बल्होड), सेवा सहकारी समिति मर्यादित पडवार (केन्द्र पडवार), सेवा सहकारी समिति मर्यादित पडवार (केन्द्र सलैया बालाजी वेयर हाउस अमरपुर), सेवा सहकारी समिति मर्यादित इंदवार (केन्द्र अमरपुर श्रीवारी वेयर हाउस यूनिट-2) , सेवा सहकारी समिति मर्यादित कोटरी (केन्द्र कोटरी),, सेवा सहकारी समिति मर्यादित कोटरी (केन्द्र चिल्हारी गडरियाटोल कैप महरोई),आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित घुनघुटी (केंद्र घुनघुटी,आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित चौरी (केन्द्र चौरी तथा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मालाचुआ (केन्द्र मालाचुआ शामिल है ।

सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों का शाल श्रीफल से किया गया सम्मान

उमरिया। शासन के निर्देशानुसार सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने के बाद पीपीओ प्रदान करते हुए कलेक्टर सभागार में शाल श्रीफल से कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने सम्मानित किया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि शासकीय सेवा में आने के पश्चात सेवा निवृत्त होना शासकीय प्रक्रिया है। सेवा निवृत्ति के पश्चात सभी समाज से जुड़ें,अपने घर के दायित्वों का निर्वहन करे। उन्होंने पीपीओ पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्जवल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की । कार्यक्रम में सेवानिवृत्त हुए जिला आपूर्ति अधिकारी बी एस परिहार, भूपत सिंह राठौर, गुलाब सिंह, प्रवीण कुमार निगम, सुशीला एक्का, सुरेश प्रसाद विश्वकर्मा , संतोष कुमार श्रीवास्तव, प्रेमलाल नापित एनपीएस के दो कर्मचारियों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया।जिला पेंशन अधिकारी अखिलेश पाठक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सत्यवती प्रजापति एपीओ, विश्वजीत पूसाम एपीओ, आशा भागडक़र,प्रताप सिंह उपस्थित रहे ।

आत्मा योजनान्तर्गत सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार से सम्मानित होंगे जिले के किसान, आवेदन 15 दिसंबर तक किए जा सकते है

उमरिया। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजनान्तर्गत जिले के सर्वोच्च उत्पादकता हासिल करने वाले कृषकों को जिला स्तर पर व कृषक ब्याक स्तर पर सर्वोत्तम कृषकों को सम्मानित किया जाना प्रस्तावित है। यह सम्मान 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसानों को दिया जाना है।

परियोजना संचालक आत्मा संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि जिले के तीनों विकासखण्डों से एक-एक किसान को सर्वोच्च उत्पादकता पुरस्कार दिया जाएगा जिले के समस्त उत्साही व प्रगतिशील कृषकों (जिसमें कृषि, मत्स्य, उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि अभियांत्रिकी) से अपेक्षा है, कि वे अपने क्षेत्र अंतर्गत कार्यरत कृषि विस्तार अधिकारी या सीधे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर आवेदन प्राप्त कर निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकतें है। किसान अपने आवेदन संबंधित विकासखण्ड कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड करकेली/मानपुर/पाली में अब 15 दिसंबर नियत की गई है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। किसान भाई अधिक जानकारी हेतु कार्यालय परियोजना संचालक आत्मा समिति जिला उमरिया के कार्यालयीन समय में एवं दूरभाष क्रमांक 07653-222421 पर संपर्क कर सकते है।

सुपर सीडर या हैप्पी सीडर नरवाई या फसल अवशेष प्रबंधन का एक अच्छा विकल्प

उमरिया। फसलों की कटाई के बाद उनके जो अवशेष खेत में रह जाते हैं, उसे नरवाई या पराली कहते हैं। कम्बाइन हार्वेस्टर से फसल की कटाई करने पर बड़ी मात्रा में नरवाई खेत में रह जाती है, जिससे दूसरी फसल की बुवाई में परेशानी होती है । इसको हटाने के लिए किसान प्रायः इसे जला देते हैं। इससे खेत की माटी की उपरी परत में रहने वाले मिटटी के लिए उपयोगी जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। मिट्टी में कड़ापन आ जाता है और इसकी जलधारण क्षमता बहुत कम हो जाती है। किसान नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक कृषि उपकरणों जैसे सुपर सीडर या हैप्पी सीडर का उपयोग करें। इन उपकरणों के उपयोग से नरवाई को नष्ट करके खाद बना दिया जाता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है।

नरवाई जलाने से मिट्टी को होने वाले नुकसान और धुएं से होने वाला पर्यावरण प्रदूषण भी नहीं होता है। किसान धान तथा अन्य फसलों की नरवाई खेत से हटाने के लिए सुपर सीडर और हैप्पी सीडर का उपयोग करें। ये उपकरण किसी भी ट्रैक्टर जो 50 एच पी के हों उसमें आसानी से फिट हो जाते हैं। इनके उपयोग से एक ही बार में नरवाई नष्ट होने के साथ-साथ खेत की जुताई और बुवाई हो जाती है। इससे जुताई का खर्च और समय दोनों की बचत होती है। इसके अलावा किसान ट्रैक्टर में स्ट्राबेलर का उपयोग करके नरवाई को खाद में बदल सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र,उमरिया और कृषि आभियांत्रिकी विभाग,उमरिया के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम बिरसिंहपुर, बिलासपुर और धमोखर में सुपर सीडर द्वारा गेहू की फसल की बुवाई करके प्रदर्शन किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डा के पी तिवारी ने बताया की धान के फसल यदि हार्वेस्टर से की जाती है तो खेत में फसल के अवशेष रह जाते हैं जिनकी सफाई के बिना बुवाई करना बहुत बड़ी चुनौती रहती है लेकिन सुपर सीडर एक ऐसी मशीन है जो बिना सफाई के आसानी से गेहूं या चना की बुवाई कर सकती है। नरवाई जलाने से मिट्टी में उत्पन्न होने वाले कार्बनिक पदार्थ में कमी आ जाती है। सूक्ष्मजीव जलकर नष्ट हो जाते है तथा हवा भी प्रदूषित हो जाती है । जिसके फलस्वरूप जैविक खाद का निर्माण बंद हो जाता है। भूमि की ऊपरी परत में ही पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध रहते है। आग लगाने के कारण ये पोषक तत्व जलकर नष्ट हो जाते हैं।

कृषि विज्ञानं केंद्र उमरिया के वैज्ञानिक डा धनंजय सिंह ने बताया की फसल अवशेषों को जलाने की बजाए उनको वापस भूमि में मिला देने से कई लाभ होते हैं। जैसे कि कार्बनिक पदार्थ की उपलब्धता में वृद्धि, पोषक तत्वों की उपलब्धता में वृद्धि, मृदा भौतिक गुणों के सुधार होते हैं। फसल उत्पादकता में वृद्धि आती है। श्री कुंदन मुवेल ने बताया की खेतो में नरवाई का उपयोग खाद एवं भूसा बनाने में करें। नरवाई से कार्बनिक पदार्थ भूमि में जाकर मृदा पर्यावरण में सुधार कर सूक्ष्मजीवी अभिक्रियाओं को उत्प्रेरित करते हैं। जिससे कृषि टिकाऊ रहने के साथ-साथ उत्पादन में वृद्धि होती है। सुपर सीडर एक साथ तीन काम करती है जिससे हार्वेस्टर के बाद बचे फसल अवशेष को बारीक़ काट कर मिटटी में मिला देता है जिससे मिटटी में कार्बन कंटेंट बढ़ेगा। मिटटी उपजाऊ होगी और खेत में कटाई उपरांत तुरंत बोनी का कार्य हो जायेगा।

धूमधाम से संपन्न हुआ निर्धन कन्या के विवाह का आयोजन

हरिभूमि न्यूजकोतमा। गुरुवार को नगर के वार्ड क्रमांक 8 में स्थित हनुमान मंदिर में निर्धन कन्या के विवाह का आयोजन नगर के समाजसेवियों एवं वी क्लब निः स्वार्थ के सहयोग से धूमधाम से संपन्न कराया गया। ज्ञातव्य हो नगर की समाज सेवी संस्था वी क्लब निःस्वार्थ की महिला सदस्यों के द्वारा नगर में समाज सेवा के क्षेत्र में अनेक कार्य किए जाते हैं। ऐसा ही एक पुनीत कर गुरुवार को थाना परिसर में स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित निर्धन कन्या के विवाह में महिला सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए उपहार स्वरूप नगद राशि के साथ ही निर्धन कन्या एवं परिवार के सदस्यों के लिए आवश्यक श्रृंगार सामग्री के साथ ही वस्त्र देते हुए सहयोग प्रदान किया। वी क्लब निःस्वार्थ की महिला सदस्यों ने कहा कि हमारा उद्देश्य दृढ़ निश्चय के साथ ही सेवा भावना करने का है और इसी उद्देश्य को लेकर हम चल रहे हैं।

नासूर बने अतिक्रमण को हटाने की मुहिम तेज

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के प्रमुख मार्गों में अतिक्रमण हर व्यक्ति के लिए समस्या बन गई है। अतिक्रमणकारी राहगीरों के चलने वाली सड़क को भी कब्जा कर लिए है। नगर के मुख्य मार्गो में अतिक्रमणकारियों का बोलबाला है। सड़क किनारे जगह-जगह बड़े दुकानदारों एवं फुटपाथी दुकानदारों ने कब्जा जमा लिया है। जिससे सड़क संकरी हो गई है। इससे आए दिन सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। बाजार के अधिकतर दुकानदार अपनी दुकान की सीमा से बाहर भी सामान रखे रहते हैं, जिसका खामियाजा आमजनों को भुगतना पड़ता है। इससे सड़कों पर पैदल चलने वाले राहगीरों को फुटपाथ पर पैर रखने की जगह नहीं बची होती है। पुराना अस्पताल रोड सब्जी मंडी रोड स्टेशन चौक पंचायती मंदिर रोड पोस्ट ऑफिस रोड जखीरा चौक गांधी चौक मुखर्जी चौक बस स्टेंड जाने वाले मार्गों में दुकानदारों के द्वारा मनमाने तरीके से दुकान की सामग्री बाहर लगा कर सड़क को छोटा करते जा रहे हैं। जिसके कारण आमजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर में सड़कों पर अतिक्रमण से समस्या बढ़ गई है। जो सड़क सुबह 20 फीट की रहती है वह सुबह 10 बजते ही 5 फीट की सड़क में तब्दील हो जाती है। जिसके कारण आमजनो को सड़को पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। जिसको लेकर हरिभूमि ने अभियान चलाते हुए प्रमुखता से समाचार प्रकाशित कर रही है। जिसे गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ सीएमओ प्रदीप झारिया के द्वारा नगर पालिका के राजस्व अमले की ड्यूटी लगाते हुए प्रतिदिन नगर की गलियों एवं मुख्य बाजार एरिया मे लग रही सब्जी एवं अन्य दुकानों को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। गुरुवार को नगर पालिका का राजस्व एवं सफाई हमला बाजार मे अतिक्रमण हटवाने की कार्यवाही शुरू करते हुए लगभग एक दर्जन दुकानों के बाहर रखे पटरा तख्त एवं फ्लेक्स बोर्ड को हटाते हुए व्यक्ति की कार्यवाही की है। नगर पालिका प्रशासन ने बताया कि यह कार्यवाही प्रतिदिन जारी रहेगी। अतिक्रमण हटवाने में नगर पालिका के ए आर आई मनीष गर्ग पंकज तिवारी राहुल सोनी राजेश मिश्रा शिवराज तेज बहादुर एवं सफाई कर्मचारी शामिल रहे।

जल संरक्षण के लिए करें बोरी बँधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. तेजसिंह केशवाल व ब्लॉक समन्वयक अरविंद शाह के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था – आयुष जनकल्याण सेवा समिति पटना सेक्टर बाकल की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, मंगेला में संविधान दिवस एवं सेक्टर बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच गोकुल प्रसाद लोधी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. तेजसिंह केशवाल ने संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों पर प्रकाश डालते हुए ग्रामवासियों को जागरूक किया। उन्होंने पारंपरिक छत्री धान की खेती को पुनर्जीवित करने हेतु प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि पूर्व में मंगेला-पटोरी क्षेत्र को छत्री धान का कटोरा कहा जाता था, किंतु आज इसकी प्रजाति विलुप्ति की ओर है, जिसे बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है!इसके पश्चात ब्लॉक समन्वयक अरविंद शाह ने "बंद मुट्ठी लाख की, खुल जाए तो खाक की" कहावत के माध्यम से आपसी एकता, सौहार्द और ऊँच-नीच के भेदभाव को त्यागकर समाज में मेलजोल बढ़ाने का संदेश देते हुए जल संरक्षण करने के लिए श्रमदान से बोरी बंधान का संदेश दिया।

उन्होंने कई प्रेरक उदाहरणों द्वारा सहयोग एवं समरसता का महत्व समझाया।परामर्शदाता अवधेश बैरागी द्वारा संविधान के प्रारूपों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा उपस्थित जनसमुदाय को संविधान की शपथ का वाचन कराते हुए शपथ दिलाई। इसके बाद सरपंच गोकुल पटैल ने ग्राम विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की और इनके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की। संचालन सेक्टर बाकल प्रभारी धनीराम लोधी ने किया

इस दौरान सुश्री नेहा अग्रवाल, रामभरोस पटेल,शंकरलाल लोधी, नरेश कुमार, सौरभ चौधरी, अभिषेक रजक, मनोहर लोधी सहित अन्यजनों की उपस्थिति रही।

6 महीने से बंद पड़ा कार्य, 5 दिसंबर को करेंगे प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलौड़ी

सिलौंडी में जल जीवन मिशन का कार्य पिछले पांच से छह महीने से बंद है ।ठेकदार ने मनमर्जी से संगम कॉलोनी रोड को खोदकर छोड़ दिया है । संगम कॉलोनी रोड से लगभग एक दर्जन गांव लोग का आना जाना होता है रोड की बीचों बीच रोड खुदी होने के कारण रोज ही छोटे छोटे हादसे हो रहे है। ग्राम के कुछ लोग रोड में गिरने से घायल भी हो चुके है ।कलेक्टर जनसुनवाई में शिकायत के बाद भी पीएचआई चुप्पी साधे है सिलौंडी के अनेक लोगों को नल जल योजना से नया कनेक्शन से घर बैठे पानी मिलने की सुविधा हो जाएगी। अभी गांव के ऊपरी हिस्से में गर्मी में पानी की बहुत दिक्कत होती है पुरानी पाइप लाइन में अनेक जगह लीकेज होने से अनेक परिवार को पर्याप्त मात्रा में पानी नही मिल पा रहा है ।

सिलौंडी सरपंच पंचों संतोष कुमार ने बताया कि ठेकेदार से अनेक बार जल जीवन मिशन का कार्य शुरू करने चर्चा कर चुकी हूं बार बार लेबर ना होने का बहाना कर रहा है ।सिलौंडी उपसरपंच राहुल राय ने बताया कि मैंने ग्राम पंचायत के समस्त पंच के साथ कलेक्टर जनसुनवाई में जल जीवन मिशन कार्य अधूरा होने की शिकायत किया हूं परन्तु अभी तक ठेकेदार सिलौंडी जल जीवन मिशन का कार्य शुरू नही कर रहा है जिसके कारण पूरा गांव परेशान है। सिलौंडी के जागरूक लोगों ने बताया यदि पी एच आई विभाग 4 दिसम्बर 2025 तक जल जीवन मिशन का कार्य शुरू नही करता तो 5 दिसम्बर 2025 से धरना प्रदर्शन किया जायेगा ।

युवती से अभद्रता करने पर मामला दर्ज

कटनी। खेत में काम करने के लिए पहुंची एक युवती के साथ युवक ने अभद्र व्यवहार किया। युवती ने कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 74, 75(1), 296(बी) व 351(3) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली 28 वर्षीय प्रार्थिया ने शिकायत में बताया कि 26 नवंबर को दोपहर लगभग 3 बजे अपने पति और पिता द्वारा किराए पर लिए गए खेत में कार्य से पहुँची थीं। उसी दौरान उनकी मुलाकात बब्बी चौरसिया से हुई। जब खेत के गेट की चाबी मांगी तो युवक ने उन्हें अपने घर चलने का दबाव बनाया। आरोप है कि युवक ने बुरी नीयत से हाथ पकड़ा। विरोध करने पर गाली-गलौज भी की। घटना के दौरान फरियादी के के पिता और भतीजे वहाँ पहुँच गए। शिकायत में बताया गया है कि उनके पहुँचने पर भी आरोपी ने झगड़ा किया।

आटो चालक ने दिखाई ईमानदारी, छूटा बैग युवक को वापस लौटाया

कटनी। एक युवक को बैग आटो में छूट गया जिसमें लैपटाप सहित मोबाइल व रूपए रखे थे। आटो चालक ने ईमानदारी का परिचय देते हुए थाना पहुंचा, इसी बीच युवक भी थाना पहुंच गया। पुलिस ने युवक को उसका बैग वापस लौटाया एवं आटो चालक की ईमानदारी की प्रशंसा की। मामला रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार जानकारी के मुताबिक ऑटो चालक अंकित वासनिक रीठी से सवारी छोड़कर कटनी के भट्टा मोहल्ला स्थित अपने घर लौटे थे। ऑटो पार्क करते समय उन्हें पीछे की सीट पर रखा एक काले रंग का बैग दिखाई दिया। बैग देखते ही उन्हें याद आया कि यह रीठी जाने वाले युवक का है। अंकित तुरंत रंगनाथ नगर थाना पहुंचा और बैग को थाना प्रभारी अरुण पाल सिंह के सुपुर्द कर दिया। थाना प्रभारी ने बैग मालिक से संपर्क साधने की कोशिश शुरू कर दी। करीब रात 11 बजे बैग के मालिक आकाश निगम 26 निवासी रीठी थाने पहुंचे। बैग सुरक्षित देखकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आकाश ने बताया कि वे मंगलवार शाम साउथ रेलवे स्टेशन पहुंचे थे और रीठी जाने के लिए ऑटो लिया था, लेकिन पहुंचने पर बैग वहीं छूट गया था।

खबर संक्षेप

ननि का स्थगित परिषद सम्मिलन आज होगा

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी का 11 नवंबर 2025 को आयोजित स्थगित सम्मिलन, का आयोजन शुक्रवार 28 नवंबर को अपरान्ह 2 बजे से नगर निगम कार्यालय के परिषद हॉल में नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है। उक्त सम्मिलन में शेष कामकाज के विषयों पर चर्चा की जायेगी।

बेघरों को रैन बसेरा पहुंचाने सौंपा दायित्व

कटनी। राज्य शासन द्वारा वर्तमान शीत ऋतु के दौरान शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए नगर निगम सीमा अंतर्गत शहरी बेघरों को आश्रय घटक अंतर्गत संचालित आश्रय स्थलों में पहुंचाने हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देश के परिपालन में उपायुक्त शैलेष गुप्ता द्वारा तत्काल प्रभाव से एक आदेश जारी करते हुए अतिक्रमण दस्ता प्रभारी श्री मानेन्द्र सिंह को अपने निर्देशन में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी माह फरवरी 2026 तक प्रतिदिन रात्रि 9 बजे से 12 बजे तक शहर में भ्रमण कर खुले में सोये हुए व्यक्ति को रैन बसेरा तक पहुंचाने की कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए है।

ट्रक व बस में हुई भिड़ंत, यात्रियों में मचा हड़कंप, बाल बाल बचे

कटनी। रीठी थाना क्षेत्र में रूड़ मूड गांव के पास गुरुवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। प्रतापगढ़ से सूरत जा रही एक यात्री बस और सामने से आ रहे ट्रक के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। बस में लगभग 50 यात्री सवार थे, जो सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। अगला भाग क्षतिग्रस्टटक्कर इतनी भीषण थीं कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया, लेकिन किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। यात्रियों के अनुसार, यह हादसा बस चालक की लापरवाही के कारण हुआ। उन्होंने बताया कि चालक ने सामने से आ रहे ट्रक को अचानक देखा और समय पर बस पर नियंत्रण नहीं कर पाया, जिससे बस सीधे ट्रक से टकरा गई। टक्कर की आवाज से इलाके में हड़कंप मच गया।
हादसे की सूचना मिलते ही रीठी थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और क्षतिग्रस्त बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

हैंडपंपों से हवा, सप्लाई में दूषित पानी... ठंड में भी प्यासे लोग

साबो पंचायत में पानी का कोहराम

जिम्मेदार सिर्फ बातें, समाधान अब तक शून्य

धनपुरी। बुढ़ार क्षेत्र अंतर्गत साबो पंचायत में पानी की समस्या अब संकट में बदल चुकी है। पंचायत के अलग-अलग वार्डों में लगे हैंडपंपों की दशा इतनी खराब हो चुकी है कि कई स्थानों पर पानी की जगह सिर्फ हवा निकल रही है। इन हैंडपंपों की हालत वर्षों से खराब है, लेकिन न तो पंचायत ने इसकी सुध ली और न ही विभागीय अमले ने। आश्वासन और फिर लंबी खामोशी।

रूंगटा कॉलोनी की हालत सबसे बदतर

शारदा ओसीएम क्षेत्र की रूंगटा कॉलोनी में कोलरी प्रबंधन द्वारा फिल्टर प्लांट से पानी सप्लाई होती है, लेकिन लोग बताते हैं कि पानी इतना दूषित होता है कि बर्तन धोना भी मुश्किल है, पीना तो दूर की बात है। दूषित सप्लाई के कारण कॉलोनीवासी साबो पंचायत के हैंडपंपों पर निर्भर थे, पर अब ये भी मरम्मत के अभाव में बंद पड़े हैं। दर्जनों हैंडपंप शोपीस बनकर रह गए हैं।

जिम्मेदार एक-दूसरे पर डाल रहे जिम्मेदारी

मरम्मत कराने की जब मांग उठती है तो मिस्त्री कहता है—"पाइप नहीं है।"एसडीओ से शिकायत करने पर जवाब मिलता है—"कलेक्टर से बात कीजिए।"पंचायत कहती है—"हमने प्रस्ताव भेज दिया है, कार्रवाई विभाग को करनी है।" इस तरह जनप्रतिनिधि, पंचायत और विभाग जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालकर समस्या को टाल रहे हैं, जबकि आम आदमी रोज पानी की तलाश में परेशान है।

ठंड में भी पानी की मार, गर्मियों का अंदाज़ा और डरावना

सर्द मौसम में ही जब पानी की ऐसी किल्लत है, तो गर्मियों के दिनों की स्थिति कितनी भयावह होगी, इसका अंदाजा पहले से लगाया जा रहा है। कॉलोनी की महिलाओं को रोजाना पानी की तलाश में कई चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। बुजुर्ग और छोटे बच्चे भी दूषित पानी से बीमारी के जोखिम में हैं।

साबो पंचायत आधुनिकता से नहीं, प्यास से लड़ रही है

पंचायत में विकास के दावे चाहे जितने हों, पर साफ पीने के पानी की सुविधा आज भी सपना है। दूषित पानी और बंद पड़े हैंडपंपों ने ग्रामीणों की रोजमर्रा की ज़िंदगी मुश्किल कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है— "सड़कें बाद में बन जाएँगी, लेकिन पानी तो जीवन है... उसका समाधान कब होगा?"

लोगों की मांग : तत्काल सर्वे, मरम्मत और शुद्ध जल की व्यवस्था

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पंचायत क्षेत्र में हैंडपंपों की तत्काल सर्वे, पाइप बदलने और मोटर सुधारने का कार्य प्राथमिकता से कराया जाए। फिल्टर प्लांट की गुणवत्ता जाँचकर साफ पानी सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

उपतहसील बुढ़वा और आखेटपुर सर्कल में विना कंप्यूटर के हो रहा काम

ब्यौहारी। सरकार द्वारा भले ही साइबर तहसील की बात की जा रही लेकिन स्थिति यह है कि अभी तहसील कार्यालय में सही ढंग से कंप्यूटर भी नहीं यहां तक की कुछ ऐसी सर्किल है जहां बिना कंप्यूटर के ही काम हो रहा है तहसील ब्यौहारी के अंतर्गत आखेटपुर एवं बुड़बा सर्कल में बिना कंप्यूटर के काम हो रहा है दोनों सर्कल काफी बड़ी है और यहां बहुत ज्यादा जमीनों के प्रकरण रहते हैं उसके कारण जो भी कंप्यूटर का काम होता है वह अन्य शाखों से कराया जाता के कारण से पक्षकारों को अनावश्यक विलंब और कई बार तहसील के चक्कर लगाना पड़ता है बुडवा और आखेटपुर सर्कल का कंप्यूटर काफी दिनों से खराब है लेकिन आज तक कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हुआ कंप्यूटर ना होने के कारण अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को भी परेशान होना पड़ता क्षेत्र के लोगों ने शीघ्र पूर्व सर्किल में कंप्यूटर उपलब्ध कराए जाने की मांग की है।
इनका कहना है। कंप्यूटर की समस्या को देखते हुए कलेक्टर सर के द्वारा खनिज मद से 15 लाख रुपए स्वीकृत करके जनपद पंचायत ब्यौहारी भेजा है जहां से कंप्यूटर आना है लेकिन अभी तक कंप्यूटर प्राप्त नहीं हुआ जिससे कोर्ट आने वाले पक्षकारों को दिक्कत हो रही सनी द्विवेदी नायब तहसीलदार आँखेटपुर ,बुडवा सर्किल। खरीदी में क्रय नियमों का पालन करना पड़ता है इसलिए समय लग रहा है एक हफ्ते के अंदर तहसील कार्यालय को कंप्यूटर उपलब्ध करा दिए जाएंगे कल्पना यादव सीईओ जनपद ब्यौहारी-। कंप्यूटर ना होने के कारण आदेश को दूसरे जगह से टाइप करना पड़ता है कई बार तहसीलदार कर स्वयं परेशान रहते हैं इसलिए जल्दी से जल्दी कंप्यूटर उपलब्ध कराया जाए विनोद ताम्रकार अधिवक्ता। कंप्यूटर के बिना कोई काम ही नहीं होता है हर कार्य में दिक्कत जाती शीघ्र कंप्यूटर लगवाया जाए राम विश्वास पनिका पक्षकार। कंप्यूटर खराब होने से नकल ही लेना हो कुछ भी काम हो बाहर जाना पड़ता है ब्रजराज सिंह बैस ग्राम सरवाही आवेदक।

नगर में हुये वाहन चोरियों की वारदातों का खुलासा

3 आरोपी,6 मोटर साइकिल बरामद, बुढ़ार पुलिस को मिली बड़ी सफलता

बुढ़ार। थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से विगत दो तीन माहों से हो रही वाहन चोरी की तह तक पुलिस के हाथ बढ़े और बीते रात 3 चोरी के आरोपी के कब्जे से 6 मोटर साइकिल बरामद कर सफलता अर्जित की है। पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव के द्वारा जिले में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं अंकुश लगाने के दिशा निर्देश दिये थे।थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने शुक्रवार को चोरी के मामले से पर्दा उठाते हुए बताया कि कस्बे के बुधवाजारी बाजार, अमलाई चौक, ओवर रेलवे ब्रिज के निकट से वाहन चोरी होने का मामला पूर्व में दर्ज था जिसकी पतासाजी की जा रही थी जिसे पर 27 नवम्बर की रात्रि वाहन चोर दीपक सोनी पिता बाबूलाल उम्र 34 वर्ष निवासी पकरिया अभिषेक सोनी पिता जगमोहन उम्र 28 वर्ष निवासी भुतही मोहल्ला बुढार, अरविंद सोनी पिता सोहन लाल उम्र 35 वर्ष निवासी पकरिया को हिरासत में लेकर जब पूछताछ की गई तो आरोपी दीपक सोनी, अभिषेक सोनी ने बताया कि बुढार के विभिन्न स्थानों से वाहन चोरी कर अरविंद सोनी को बेचने के लिए देते थे उसी निशानदेही पर 6 मोटर साइकिल को बरामद कर तीनों आरोपियों के विरुद्ध विधिक प्रावधानों के तहत पूर्व में पंजीबद्ध हुए अपराधों के तहत न्यायालय में प्रस्तुत किया है। इस धर-पकड़ कार्यवाही में एएसआई नवीन सिंह, प्रधान आरक्षक लवकेश शुक्ला, शंकर प्रजापति,बसंता सिंह, महेंद्र आरक्षक गोपाल सिंह का सराहनीय सहयोग रहा।

SECL सोहागपुर क्षेत्र के 13 कर्मियों को दी जाएगी सम्मान जनक विदाई

29 नवंबर को R.C. क्लब में होगा 'सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह'

धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL) के सोहागपुर क्षेत्र में नवंबर माह के अंत में सेवानिवृत्त होने वाले 13 कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई देने की तैयारी पूरी कर ली गई है। मानव संसाधन विभाग द्वारा जारी विशेष आदेश (Ref. No.- 2759, दिनांक 28/11/2025) में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी इकाइयों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।
R.C. क्लब में 29 नवंबर, सुबह 11 बजे से कार्यक्रम
सम्मान समारोह 29 नवंबर 2025 को सुबह 11 बजे R.C. क्लब, सोहागपुर क्षेत्र में आयोजित होगा। इसमें उन 13 कर्मचारियों का सम्मान किया जाएगा जो 30 नवंबर को औपचारिक रूप से सेवानिवृत्त होंगे।

सभी उपक्षेत्रीय प्रबंधकों की उपस्थिति अनिवार्य

आदेश में बुढ़ार–शारदा, अमलाई–बंगवार–दामनी, राजेंद्र–खैरहा, धनपुरी–अमलाई ओसीएम और रामपुर बटुरा उपक्षेत्र सहित पूरे सोहागपुर क्षेत्र के सभी उपक्षेत्रीय प्रबंधकों को बिना अनुपस्थिति कार्यक्रम में शामिल होने कहा गया है।
साथ ही प्रबंधक (मानव संसाधन) और संबंधित लिपिक की उपस्थिति भी अनिवार्य कर दी गई है।
चिकित्सा, कल्याण और एसोसिएशन पदाधिकारियों को

विशेष आमंत्रण
बुढ़ार केंद्रीय चिकित्सालय की प्रमुख चिकित्सा सेवाएँ,विभागाध्यक्ष संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्य,क्षेत्रीय कल्याण समिति,सिस्टा/एसोसिएशन,OBC कोल एम्प्लाईज़ वेलफेयर एसोसिएशन,इन सभी को समारोह में विशेष तौर पर शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।
पीएफ–पेंशन क्लर्कों की उपस्थिति आवश्यक
आदेश में स्पष्ट निर्देश है कि सभी PF–Pension डीलिंग क्लर्क समारोह में अनिवार्य रूप से मौजूद रहें, ताकि सेवानिवृत्त कर्मियों से संबंधित अंतिम दस्तावेजी प्रक्रिया स्थल पर ही समयबद्ध ढंग से पूर्ण की जा सके।
माननीय महाप्रबंधक को भी भेजी गई प्रतिलिपि
मानव संसाधन विभाग ने इस आदेश की प्रतिलिपि महाप्रबंधक, सोहागपुर क्षेत्र सहित HR विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को भेजकर कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित किया है।

गंदगी से पटा मतहा तालाब ग्राम पंचायत द्वारा नहीं कराई गई सफाई

ब्यौहारी। जनपद पंचायत व्यवहारी के अंतर्गत ग्राम पंचायत साखी के मतहा तालाब जो गांव का मुख्य तालाब है और प्रतिदिन सैकड़ो लोग यहां स्नान करते हैं काली माता को जल भी चढ़ाते हैं इस तालाब को पूरी तरह से जलकुंभी ने ढक लिया है यहां तक की इसका एक घाट भी बंद हो गया इसके लिए ग्राम वासियों का कहना है कि कई बार सरपंच और सचिव को इसकी जानकारी दी गई शिकायत भी की गई लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा तालाब की साफ सफाई नहीं कराई जा रही ग्राम वासियों ने कलेक्टर से तालाब की साफ सफाई कराई जाने की मांग की हैं।

संतोष वर्मा के विवादित बयान पर ब्राह्मण समाज में नाराजगी

शहडोल में पुतला दहन, परिषद ने प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी

शहडोल। मध्यप्रदेश में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप सचिव संतोष वर्मा द्वारा 23 नवंबर को भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में कथित विवादित बयान देने को लेकर सामाजिक तनाव बढ़ गया है। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद और करणी सेना ने इस टिप्पणी को ब्राह्मण समाज की महिलाओं के अपमान के रूप में देखा है और कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।समाज के नेताओं का कहना है कि एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से इस प्रकार की असंवेदनशील टिप्पणी की उम्मीद नहीं की जा सकती। परिषद के राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय, प्रदेश अध्यक्ष सी.बी. त्रिवेदी और अन्य पदाधिकारियों ने ज्ञापन जारी कर इसे समाज के सम्मान पर हमला बताया है। उनके अनुसार, संतोष वर्मा ने अपनी बेटी का उदाहरण देते हुए महिलाओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणी की, जो प्रशासनिक मर्यादा का भी उल्लंघन है।शहडोल में सोमवार को इस बयान के विरोध में संतोष वर्मा का पुतला दहन किया गया। जिला स्तर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में दर्जनों लोग शामिल हुए और उन्होंने अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। परिषद के प्रदेश महासचिव डॉ. डी. जयकृष्णन, संयोजक महेन्द्र कुमार शुक्ला और सचिव संजय तिवारी ने सरकार से तत्काल संज्ञान लेने और उचित कार्रवाई की मांग की। समाज के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं होती है तो प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। परिषद ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और संबंधित विभाग को ज्ञापन भेजकर संतोष वर्मा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग दोहराई है। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद एवं करणी सेना ने स्पष्ट किया है कि यह केवल व्यक्तिगत बयान का मामला नहीं है, बल्कि पूरे समाज के सम्मान से जुड़ा प्रश्न है और इसके लिए संगठन किसी भी स्तर तक संघर्ष करने को तैयार है।

ठेका लेकर काम बंद, राजस्व शून्य

शहडोल में रेत खनन का 'मास्टर स्ट्रोक'

नागरिक महंगी रेत खरीदने को मजबूर

प्रशासन मौन, शासन को करोड़ों का नुकसान, अवैध खनन ने पकड़ी रफ्तार

शहडोल। जिले में रेत खनन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। भारी-भरकम ठेकों, सिंडिकेट, राजनीतिक और प्रशासनिक चुप्पी तथा अवैध खनन के गठजोड़ ने जिले की रेत व्यवस्था को पूरी तरह चरमरा दिया है। जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र की सहकार ग्लोबल कंपनी ने कुछ समय पूर्व करीब 68 करोड़ रुपये में मध्य प्रदेश के कई जिलों में रेत खनन का ठेका लिया था। एनजीटी के निर्देशों के चलते हर वर्ष की तरह 1 जुलाई से 30 सितंबर तक खनन प्रतिबंधित रहा, किंतु प्रतिबंध अवधि समाप्त होने के बाद भी कंपनी ने शहडोल में दोबारा खनन कार्य शुरू नहीं किया। सहकार ग्लोबल ने कथित रूप से ठेका सरेंडर करके पुनः कम राशि पर ठेका प्राप्त किया। पहले जहां यह कंपनी लगभग 68 करोड़ रुपये वार्षिक में काम कर रही थी, वहीं नए चक्र में यह राशि करीब 20 करोड़ रुपये

कम तय हुई। आरोप हैं कि यह पूरा खेल प्रशासन, खनिज मंत्रालय और माइनिंग कॉरपोरेशन के कुछ प्रभावशाली अधिकारियों की मिलीभगत से हुआ, ताकि कंपनी को कम राशि में ठेका वापस मिल सके।
इसके समानांतर कंपनी ने सीधी और सिंगरौली जिलों में भी रेत खनन कार्य ले रखा है, जबकि उमरिया और अनूपपुर जिलों के ठेकेदारों से साझेदारी भी की है। सूत्र बताते हैं कि इन तीनों जिलों—शहडोल, उमरिया और अनूपपुर में रेत के ठेकेदारों का एक सिंडिकेट सक्रिय है, जिसने पहले रेत के दाम बढ़ाए और बाद में गाइडलाइन के मुताबिक जुलाई माह में खनन बंद कर दिया, लेकिन प्रतिबंध अवधि समाप्त होने के बाद जहां उमरिया और

सहकार ग्लोबल का रणनीतिक खेल?

अनूपपुर ने खनन शुरू कर दिया, वहीं सहकार ग्लोबल ने शहडोल में ठेका लेने के बाद भी काम शुरू नहीं किया। कंपनी ने जानबूझकर फाइल को भोपाल मंत्रालय में रोकवा दिया, जिससे दोहरा लाभ मिला। शासन को एक भी रुपये का राजस्व न देना पड़े और जिले में किसी अन्य कंपनी को ठेका न मिलने के कारण पूरा बाजार उनके नियंत्रण में रहे।
इस बीच शहडोल में प्रतिदिन लाखों की रेत मांग सीधी, सिंगरौली, उमरिया और अनूपपुर से पूरी की जाने लगी। साथ ही अवैध खनन का जाल भी सक्रिय हो गया। बुढ़ार, ब्यौहारी, देवलोंद और सोहागपुर थाना क्षेत्रों में संगठित गिरोहों द्वारा स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से अवैध रेत परिवहन के आरोप गंभीर रूप से उभरकर आए हैं। शासन को जहां करोड़ों का मासिक राजस्व नुकसान हो रहा है, वहीं अवैध खनन करने वालों की 'बल्ले-बल्ले' हो गई है। इस खेल का सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक झेल रहे हैं। जिले में मकान, दुकान या भवन निर्माण कर रहे लोगों को या तो चोरी की रेत महंगे दामों पर लेनी पड़ रही है या फिर अनूपपुर-उमरिया से अतिरिक्त कीमत पर मंगानी पड़ रही है। दूसरी ओर शासन को मिलने वाला नियमित राजस्व शून्य पर आ चुका है।
चौंकाने वाली बात यह है कि जिले के प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विधायक, सांसद और नगरीय निकाय/पंचायत स्तर के निर्वाचित प्रतिनिधि—सभी इस गंभीर आर्थिक और खनिज संकट पर मौन साधे बैठे हैं। न कोई कार्रवाई, न कोई समीक्षा, न ही जवाबदेही तय करने की पहल। कुल मिलाकर देखा जाए तो सहकार ग्लोबल ने शहडोल जिले में रेत खनन शुरू न करके रणनीतिक 'मास्टर स्ट्रोक' खेला है, जहाँ कंपनी का लाभ बढ़ा, राजस्व शून्य हो गया और जिले की जनता महंगी रेत तथा अवैध परिवहन के बोझ तले पिसने पर मजबूर है।

अपात्रों को लाभ दिलाने एवं खरीदी में 17 पंचायतों में 41 लाख रुपए की घपलेबाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिला पंचायत सीईओ एवं विहित प्राधिकारी सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने गुरुवार को 17 ग्राम पंचायतों में की गई वित्तीय अनियमितताओं, गुणवत्ताहीन कराए गए निर्माण कार्यों, अपात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने एवं गलत जिओटैग किए जाने के संबंध में मप्र पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 89 के तहत प्रकरणों की वन टू वन सुनवाई की। सुश्री कौर ने जहां एक ओर ग्राम पंचायतों के पक्ष को बेहद धैर्य के साथ प्रस्तुत जवाब साक्ष्य और दस्तावेजों का अवलोकन कर सुना। वहीं दूसरी ओर दोषी पाए जाने एवं समाधान कारक उत्तर प्राप्त नहीं होने पर सख्त विधिसंगत कार्रवाई करते हुए धारा 92 के तहत शासकीय राशि की वसूली की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इन पंचायतों ने की अनियमितता

मप्र पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के अंतर्गत भंडार क्रय नियमों का पालन नहीं करते हुए सोलर लाइट क्रय किए जाने के प्रकरणों में ग्राम पंचायत भखरवारा, छपरा, मवई ,बरतरा,चांदनखेड़ा, सिहुंडी (बाकल), पटीराजा, मझगवा मटवारा, चरगवा, भेड़ा , कूड़न द्वारा 27,60,000 रुपए की सोलर लाइट की नियम विरुद्ध खरीदी किए जाने के संबंध में धारा 89 के तहत प्रकरणों पर सुनवाई की। संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा समाधान कारक उत्तर नहीं पाए जाने पर धारा 92 के तहत नियमानुसार राशि की वसूली की कार्यवाही की जाएगी।
इसी प्रकार ग्राम पंचायत सलैया फाटक के ग्राम रोजगार सहायक द्वारा तीन अपात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने के संबंध में पक्ष सुना गया। इन पर शासकीय राशि 4,05,000 रुपए की स्वीकृति दी गई है। ग्राम पंचायत खजुरा की निर्माण एजेंसी द्वारा वर्ष 2017-18 में नवीन तालाब निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूर्ण नहीं कराए जाने पर प्राप्त शिकायत के संबंध में सुनवाई हुई।

खबर संक्षेप

अनूपपुर में पहली बार लैंड हुई पीएमश्री एयर एम्बुलेंस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्य प्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस मरीजों के लिए नई आशा बनकर उभरी है। अपातकालीन में गंभीर मरीज को इस सेवा के द्वारा नई जिंदगी मिलने लगी है। अनूपपुर में पहली बार पीएमश्री एयर एम्बुलेंस पहुंची जहां एक लकवाग्रस्त 55 वर्षीय व्यक्ति को एयर लिफ्ट किया गया। जिसका शरीर का एक तरफ का अंग काम नहीं कर रहा था, जिसका उपचार भोपाल एम्स में हो सकेगा। एयर एंबुलेंस ने अनूपपुर से शुक्रवार की सुबह भोपाल के लिए उड़ान भरी। जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती 55 वर्षीय रविंद्र साहू निवासी विवेक नगर को चिकित्साकों की टीम की सलाह पर उच्च स्वास्थ्य संस्था उपचार की जरूरत हेतु रिफर शुक्रवार को एयर लिफ्ट किया गया। कुछ दिन पूर्व परिजनों ने जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया था। जिले में न्यूरो सर्जन और न्यूरो फिजिशियन नहीं होने से व्यक्ति का उपचार अनूपपुर में नहीं हो सकता था। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में मरीज को एयर लिफ्ट पीएम श्री एयर एंबुलेंस हेली के माध्यम से किया गया मरीज एयर लिफ्ट करने मुख्य चिकित्सा स्वास्थ अधिकारी डॉ. अलका तिवारी ने बताया हमारे यहां अस्पताल में न्यूरो सर्जन और न्यूरो फिजिशियन नहीं है, इस कारण व्यक्ति का उपचार अनूपपुर में नहीं हो सकता। आयुष्मान कार्डधारी है, इसके चलते व्यक्ति को पीएमश्री एम्बुलेंस का लाभ मिला। जिसे एयर लिफ्ट कर भोपाल ले जाया गया है। एयर एंबुलेंस सेवा की सुविधा लेने में अनूपपुर जिला शहडोल संभाग का पहला जिला है हमने पहली बार एक तरह से ट्रायल के रूप में इस सेवा का लाभ लिया है।

हत्यारे पति को न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

अनूपपुर। लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि अभियुक्त समय लाल बैगा पिता स्व. बडखू बैगा उम्र 50 वर्ष निवासी धनपुरी थाना कोतवाली अनूपपुर जिला अनूपपुर के द्वारा दिनांक 21 सितंबर 2023 को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे की बीच अपनी पत्नी लेखनबाई को लडाई झगडा एंव कलह की वजह से घर पर रखे टंगिया से जानबूझ कर मार डाला। घटना के संबंध में दिनांक 22 सितंबर 2023 को मृतिका के पिता समनु बैगा ने थाना कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट लिखवाई। उक्त अपराध के संबंध में थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 453/2023 धारा 302 आईपीसी पंजीकृत किया गया और विवेचना करते हुये आरेपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के मेमोरेण्डम कथन उपरांत घटना में प्रयुक्त टंगिया एवं मानव रक्त वाला टी शर्ट को पुलिस ने जप्त कर राज्य न्यायिक विज्ञान प्रयोग शाला सागर भेजा गया। मामले में पुलिस की ओर से न्यायालय में संपूर्ण विवेचना के उपरांत अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल कें न्यायालय ने सुनवाई की गयी जिसमें शासन की ओर से लेक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने 24 साक्षियों के साक्ष्य कराये और 42 दस्तावेजों को परीक्षत कराया गया। साक्ष्य उपरांत शासन की ओर से पैरवी कर रहे लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा रखे गए तर्कों और बहस तथा मामले की गम्भीरता एवं परिस्थितियों को देखते हुए हत्या के आरोपी समय लाल बैगा को भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 302 में दोषी पाते हुए दोषसिद्ध ठहराया गया, जिसमें आरोपी को आजीवन कारावास एवं 5 हजार रुपया जुर्माना से दंडित किया गया।

प्रशासन ने पांच अनाथ बच्चों को पहुंचाया शिशु गृह

राजेन्द्रग्राम के पांच बच्चों को मिलेगी 'वात्सल्य' की छांव

हरिभूमि के पत्रकार पूरन चंदेल की सराहनीय पहल ने बच्चों का भविष्य किया सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत किरगी प्रेमनगर मे भिक्षावृत्ति कर रहे एक ही परिवार के 5 बच्चों को 27 नवंबर को पुलिस थाना राजेंद्रग्राम के सहयोग से मिशन वात्सल्य के तहत बाल कल्याण समिति अनूपपुर द्वारा शिवालय शिशु गृह सतगुरु मिशन बाणगंगा रोड शहडोल भेजा गया जो अब भिक्षावृत्ति की राह त्याग कर वात्सल्य की छांव मे रहकर भविष्य सुदृढ़ करेंगे। पत्रकार पूरन चंदेल की सराहनीय पहल ने पांचों बच्चों का भविष्य उज्जवल कर दिया। थाना राजेंद्रग्राम अंतर्गत बस स्टैंड के आसपास लगभग कुछ दिनों से पांच बच्चे असहाय रूप से एवं भिक्षावृत्ति करते भटक रहे थे जिस संबंध में थाना राजेंद्रग्राम को आयुष सोनी असिस्टेंट लीगल एंड डिफेंस काउंसिल अनूपपुर का पत्र प्राप्त हुआ। पत्र प्राप्त होते ही वरिष्ठ अधिकारियों को उक्त संबंध में अवगत कराया गया जिसमें पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा निर्देशित किया गया कि बाल कल्याण समिति अनूपपुर से अनाथ बच्चों के संबंध मे संपर्क करे एवं उचित संसाधन उपलब्ध करवाएं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) पुष्पराजगढ़ के मार्गदर्शन में 27 नवंबर को दोपहर 2 बजे सहायक संचालक महिला बाल विकास अधिकारी श्रीमती मंजूषा शर्मा, थाना राजेंद्रग्राम निरीक्षक पीसी कोल, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र प्रसाद यादव, प्रधान आरक्षक लेखनवती सिंह एवं आरक्षक प्रदीप बरेला एवं बाल कल्याण समिति अनूपपुर से मुकेश कुमार गौतम सदस्य बाल कल्याण समिति, अशोक कुमार त्रिपाठी विधि शह परवीक्षा अधिकारी विजेंद्र सिंह राज सामाजिक कार्यकर्ता विकास तिवारी आउट रीच वर्कर की उपस्थिति में प्रेम नगर वार्ड नंबर 12 बस स्टैंड के पीछे पहुंचकर बाल भिक्षावृत्ति की सूचना पर रेस्क्यू किया गया जिसमें एक बालक चार बालिका मिले जिनका नाम पता पूछने पर प्रिया विश्वकर्मा उम्र 09 वर्ष, अनमोल विश्वकर्मा 5 वर्ष, विकलांग रिद्धि विश्वकर्मा 4 वर्ष प्रिंसी देवी 03 वर्ष विकलांग रिया देवी 1.5 वर्ष निवासी प्रेम नगर मिले। उक्त बच्चों से पूछताछ की गई जिन्होने बताया कि मां नागमतिया बाई 04 माह से हम लोगों को छोड़कर चली गई है पिता अक्सर शराब के नशे में लिप्त रहते हैं। हम लोग पढ़ाई करना चाहते हैं।

पत्रकार पूरन चंदेल की सराहनीय पहल

बताया जाता है कि ग्राम पंचायत किरगी प्रेमनगर निवासी गणेशू विश्वकर्मा 30 वर्ष के 1 पुत्र व 4 पुत्री है जिनकी मां नग़मतिया बाई पति गणेशु विश्वकर्मा अपने पांचों बच्चों को छोड़कर चली गई। बच्चों के पिता गणेशू शराबी किस्म का व्यक्ति है। हरिभूमि के पत्रकार पूरन चंदेल ने उन बच्चों की जानकारी टीआई पीसी कोल से साझा किया कि इन बच्चों की हालत ठीक नहीं है। खाने पीने की बहुत समस्या है इनमें 2 बच्चे विकलांग भी हैं। ठंडी भी बहुत है यहां तक कि 4 माह से बच्चों को प्रेमनगर के हर घर के लोग खाना खिलाते हैं। ठंडी में कपड़ा भी मोहल्ले के लोगों ने दिया। उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए टीआई पी सी कोल ने उच्चाधिकारियों से चर्चा की और 27 नवंबर को उच्चाधिकारियों के निर्देशन में 5 बच्चों को सभी लोगों की सहमति से मिशन वात्सल्य के उनकी सुरक्षा व संरक्षण का इंतजाम किया गया। पांचो बच्चों को बाल कल्याण समिति के सदस्यों एवं सहायक संचालक महिला बाल विकास अधिकारी एवं थाना प्रभारी राजेंद्रग्राम एवं पत्रकार पूरन चंदेल की उपस्थिति में सुरक्षित बाल कल्याण समिति अनूपपुर ले जाया गया जिसके बाद बाल कल्याण समिति अनूपपुर द्वारा शिवालय शिशु गृह सतगुरु मिशन बाणगंगा रोड शहडोल जिला शहडोल में भेजा गया।

वित्तीय सहायता का प्रावधान

"मिशन वात्सल्य" योजना के तहत कमजोर और अनाथ बच्चों को सरकारी संस्थानों या पालक परिवारों के माध्यम से रहने और पालन-पोषण के लिए एक सुरक्षित आश्रय मिल रहा है। यह योजना भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य बच्चों के कल्याण को सुनिश्चित करना है, जिसमें उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसी बुनियादी ज़रूरतें प्रदान करना शामिल है। कुछ राज्यों में, बच्चों के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है, जैसे मध्य प्रदेश में 4,000 प्रति माह की राशि। यह योजना संस्थागत देखभाल के बजाय, योजना परिवार-आधारित देखभाल मॉडल को प्राथमिकता देती है और पालक परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। योजना का उद्देश्य केवल आश्रय प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि बच्चों को स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण जैसी बुनियादी ज़रूरतों तक पहुँच सुनिश्चित करना भी है।

बेटियों पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में जिले में भी उबाल

संतोष कुमार वर्मा पर कड़ी कार्रवाई की मांग

विप्र समाज में तीखा रोष, 2 दिसंबर को करेंगे पुतला दहन व घेराव

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। विप्र समाज अनूपपुर एवं एकीकृत ब्राह्मण समाज के संयुक्त तत्वावधान में शनि धाम परिसर में एक विशाल बैठक आयोजित की गई, जिसमें संतोष वर्मा द्वारा दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान को लेकर तीव्र असंतोष व्यक्त किया गया। बैठक में मातृशक्ति की उल्लेखनीय उपस्थिति विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रही थी, जिन्होंने सामाजिक गरिमा की रक्षा में संगठित समर्थन जताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महंत देवाचार्य, प्रयागराज वैश्णव आश्रम तथा अध्यक्षता में अद्भुत महाराज, पौराणिक भागवत कथा वाचक, उपस्थित रहे। '"बयान पूरे सवर्ण-ब्राह्मण समाज को आहत करने वाला"-संयोजक द्विवेदी' विप्र समाज के संयोजक पंडित रामनारायण द्विवेदी ने कहा कि यह बयान किसी व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे ब्राह्मण एवं सवर्ण समाज की अस्मिता को चोट पहुंचाने वाला है। उन्होंने बताया कि समाज पहले ही कई ज्ञापन प्रशासन को सौंप चुका है और प्रशासन को अपनी भावनाओं से अवगत कराया गया है।

2 दिसंबर को प्रदर्शन का निर्णय

सभा में वक्ताओं ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा संतोष वर्मा को सात दिवस का नोटिस दिया गया है। यदि नोटिस अवधि पूर्ण होने पर भी उन पर एफआईआर दर्ज नहीं होती है, तो विप्र समाज प्रदेश एवं जिले स्तर पर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। सर्वसम्मति से तय किया गया कि 2 दिसंबर, मंगलवार दोपहर 2 बजे शनि धाम में विशाल सभा होगी। उस सभा मे निंदा प्रस्ताव पारित किया जाएगा। इसके बाद अनूपपुर अजाक्स संघ के स्थानीय नेता के निवास का शांतिपूर्ण घेराव किया जाएगा और यह पूछा जाएगा कि उनके प्रांतीय अध्यक्ष के कथन की निंदा अब तक क्यों नहीं की गई। कार्यक्रम के पश्चात संतोष वर्मा का पुतला दहन किया जाएगा। कार्यक्रम में मातृशक्ति की बड़ी संख्या में उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समाज की एकजुटता का सशक्त संदेश प्रशासन तक पहुंचे।

कोतमा में भी ब्राह्मण समाज ने जताया आक्रोश

ब्राह्मण समाज की बेटियों को लेकर विवादित बयान देने वाले आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के खिलाफ शुक्रवार को कोतमा नगर में भी ब्राह्मण समाज के द्वारा नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया गया। आक्रोशित ब्राह्मण समाज के लोगों ने गांधी चौक मे आई ए एस अफसर संतोष वर्मा का पुतला दहन किया एवं थाने में एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए शिकायत की गई। ब्राह्मण समाज के लोगों ने कोतमा नगर मे स्थित ठाकुर बाबा धाम में एकत्र होकर नगर के मुख्य मार्गों से रैली निकालते हुए हृदय स्थल गांधी चौक में जमकर नारेबाजी करते हुए संतोष वर्मा के पुतले पर कालिख पोतते हुए जूते बरसाया और पुतला दहन किया। समाज के लोगों के द्वारा थाने पहुंचकर निरीक्षक रत्नांबर शुक्ल को ज्ञापन सौंपते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। संगठन के पदाधिकारी का कहना है कि संतोष वर्मा के इस बयान से ब्राह्मणों की भावनाएं आहत हुई हैं। प्रशासनिक पद में रहते हुए उनके द्वारा की गई ऐसी अभद्र टिप्पणी निंदनीय है। घृणित बयानबाजी पूरे प्रदेश में वैमनस्य, नफरत फैलाने का कार्य किया गया है। जिस पर सख्त कार्यवाही की जाए और कार्यवाही नहीं होने पर ब्राह्मण समाज के लोगों के द्वारा महिलाओं के सम्मान मे आगे उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में अशोक त्रिपाठी, गणेश उपाध्याय मुनेश्वर पाण्डेय लक्ष्मण तिवारी हनुमान गर्ग, ऋषि तिवारी, विजय पाण्डेय प्रभात मिश्रा प्रदीप उपाध्याय, जितेंद्र भट्ट पप्पू द्विवेदी मुरली गौतम राजकमल तिवारी, अटल ब्यौहार जीतेन्द्र शर्मा, कमलेश मिश्रा रवि ओझा कमलेश मिश्रा राहुल शुक्ला मृगेंद्र सिंह, रामनारायण तिवारी, राजकुमार तिवारी पुष्पेन्द्र उरमलिया निश्चल चतुर्वेदी जय पाण्डेय, चन्द्रभान मिश्रा गौरव मिश्रा राकेश तिवारी पंकज शर्मा मुकेश तिवारी सहित सैकड़ों ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे।

कोतमा अधिवक्ता संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

ब्राह्मण समाज की बेटियों को लेकर वरिष्ठ अधिकारी संतोष कुमार वर्मा द्वारा किए गए कथित आपत्तिजनक वक्तव्य के विरोध में शुक्रवार को कोतमा में ब्राह्मण समाज एवं अधिवक्ता संघ में भारी आक्रोश देखा गया। समाज के सदस्यों ने तहसीलदार कोतमा के माध्यम से मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश के नाम ज्ञापन सौंपकर तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि अधिकारी का कथित वक्तव्यकू ब्राह्मण बेटी मेरे बेटे से संबंध बनाए कृपूरे समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला, महिलाओं का अपमान करने वाला तथा प्रशासनिक मर्यादाओं का घोर उल्लंघन है। समाज ने इसे भारतीय प्रशासनिक सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम 1969 के तहत दंडनीय कृत्य बताते हुए मांग की कि संतोष कुमार वर्मा को तत्काल सेवा से पृथक कर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। समाज के प्रतिनिधियों ने चेताया कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो ब्राह्मण समाज जिलेव्यापी आंदोलन करने को बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपने वाले प्रमुख हस्ताक्षरकर्ता केदार गौतम, लोकेश तिवारी, रामप्रकाश दुबे, शांति गौतम, मुकेश शुक्ला, सुनील पांडे, भानू पांडे, त्रिवेणी शुक्ला, अरविंद तिवारी, सुधीर तिवारी, रमेश तिवारी, पंकज मिश्रा, शिवपाल पांडे, सागर शर्मा, शारदा शर्मा, धर्मपाल पांडे, राय पांडे, दुबे कुमार, रामानंद, त्रिवेणी तिवारी, महेश तिवारी, शभाकांत उपाध्याय, पंकज उपाध्याय, के.एल. तिवारी (केदारलाल तिवारी), अमित मिश्रा शामिल रहे।

संतों और युवाओं का समर्थन

महंत देवाचार्य तथा अद्भुत महाराज ने कार्यक्रम का समर्थन करते हुए अपने शिष्यों सहित उपस्थिति का आश्वासन दिया। इसी क्रम में युवा सामाजिक कार्यकर्ता मयंक त्रिपाठी ने भी दूरभाष के माध्यम से अपने पूरे दल सहित आंदोलन में सम्मिलित होने की सहमति दी। बैठक में बडी संख्या में मातृशक्ति एवं विप्रजन उपस्थित रहे। सभा का समापन संयोजक पंडित रामनारायण द्विवेदी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अनूपपुर में भारी विरोध, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जिले के कई स्थानों से बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग एकजुट हुए और उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें आईएएस अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनूपपुर जिले के चचाई,अमलाई,राजेंद्रग्राम, जैतहरी, और कोतमा बिजुरी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से ब्राह्मण समाज के सदस्य, एवम मातृशक्तियां बड़ी संख्या में जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए। इसी तारतम्य में कोतमा नगर में भी ब्राह्मण समाज में विशाल संख्या के साथ कोतमा थाने पहुंचकर संतोष वर्मा के खिलाफ एफआईआर की मांग की एवं कड़ी प्रक्रिया जारी करते हुए ब्राह्मण समाज के द्वारा यह कहा गया है कि इस तरीके की बयान बाजी समाज में विद्वेष फैलाने एवं सामाजिक सौहार्द की भावना को बिगड़ने का जानबूझकर लोक सेवा आयोग का अधिकारी के द्वारा इस तरह के वक्तव्य जारी किए गए हैं जो की समाज में पूरी तरीके से इस तरीके के बयान अस्वीकार हैं

ब्राह्मण समाज के प्रबुद्ध जनों की मुख्य मांग

आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा को तत्काल बर्खास्त कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। एवं ऐसे अधिकारी को पद मुक्त कर जेल में डाला जाए जिससे इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो एवं समाज में जहर घोलने का कार्य ऐसे अधिकारी को अशोभनीय है जिसके कारण जिले भर के संपूर्ण ब्राह्मण समाज में रोष एवं आक्रोश व्याप्त है! अधिकारी के बयान को नारी सम्मान और सामाजिक समरसता पर सीधा आघात बताया गया है। समाज के लोगों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि ऐसे अमर्यादित बयान देने वाले अधिकारी को उच्च पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा मिलने के बावजूद व्यवस्था बदहाल

हिंदी विभाग के अध्यक्ष को नहीं पता सिलेबस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शासकीय तुलसी महाविद्यालय (प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस) में एक बार फिर गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज श्रीवास्तव पर आरोप है कि उन्हें स्वयं नवीन पाठ्यक्रम का स्पष्ट ज्ञान नहीं है। परिणामस्वरूप एक वर्षीय एम.ए. हिंदी के छात्र-छात्राओं को कक्षाओं का स्थान, और सिलेबसकुकुछ भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। छात्रों का कहना है कि विभाग द्वारा जारी समय-सारणी में उनकी कक्षाओं का कोई उल्लेख नहीं है एम ए प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के समय सारणी में तीन प्रश्न पत्र तो दिखाए गए हैं लेकिन चौथा प्रश्न पत्र का कोई उल्लेख नहीं किया गया है जिससे छात्र-छात्राओं की एक प्रश्न पत्र की पढ़ाई सुचारू रूप से संचालित आज तक नहीं हो पा रही है इससे स्पष्ट होता है कि विभाग अध्यक्ष अपनी मनमानी करते हुए एवं विषय का संपूर्ण ज्ञान ना होना उनकी कमियों को उजागर करता है।

क्या अब सड़क पर पढ़ेंगे हम

छात्रों का यह सवाल प्रशासन की गंभीरता पर सवाल खड़े करता है नवीन पाठ्यक्रम के अंतर्गत एमए 1 वर्षीय कक्षाओं के संचालन के लिए विभाग अध्यक्ष द्वारा छात्रों को पढ़ने एवं बैठने के लिए किसी भी कक्षा का कोई उल्लेख समय सारणी में नहीं किया गया है जिस कारण ऐसा प्रतीत होता है की छात्र-छात्राएं अब पढ़ने के लिए रोड पर बैठेंगे। छात्रों का आरोप है कि डॉ. नीरज श्रीवास्तव अपनी अकादमिक कमियों को छिपाने के लिए हरसंभव प्रयास करते रहे, लेकिन जब मामला खुलकर सामने आया तो विभाग की कार्यशैली पर कड़े सवाल उठने लगे। समाचार फैलते ही जल्दबाजी में समय-सारणी में संशोधन की तैयारी की जा रही है।

तुरंत बर्खास्त की मांग

छात्रों का यह भी आरोप है कि डॉ. श्रीवास्तव पूर्व में भी कई बार छात्र-छात्राओं के साथ अभद्रता कर चुके हैं। इससे छात्रों में गहरी नाराज़गी है और वे मांग कर रहे हैं कि ऐसे प्राध्यापकों को तुरंत पद से हटाया जाना चाहिए। महाविद्यालय प्रशासन पर भी उंगली उठ रही है। छात्रों का कहना है कि प्राचार्य के नज़दीकी होने का फायदा उठाया जा रहा है। शिकायतों को दबाया जाता है। कॉलेज आए दिन विवादों के कारण सुर्खियों में रहता है। "प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस" का दर्जा मिलने के बावजूद व्यवस्था बदहाल है, जिससे छात्रों का भविष्य दांव पर है।

5 दिसंबर को संपन्न होगा जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव

अनूपपुर। जिला अधिवक्ता संघ अनूपपुर के निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट नरेंद्र सिंह सेंगर ने बताया कि (निर्वाचन दिसंबर 2025 से दिसंबर 2027) हेतु 28 नवंबर को 3 बजे तक जिला अधिवक्ता संघ अनूपपुर चुनाव में विभिन्न पदों पर चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय विभाग के लिए अभ्यर्थियों का अंतिम प्रकाशन किया गया जिसमे अध्यक्ष पद हेतु एडवोकेट जगदीश प्रसाद पांडे, एडवोकेट संतोष सिंह परिहार, एडवोकेट विनोद कुमार सोनी, उपाध्यक्ष पद हेतु एडवोकेट अशोक कुमार पटेल, एडवोकेट दुर्गेश कुमार सोनी, सचिव पद हेतु एडवोकेट गिरधारी साहू, एडवोकेट राम कुमार राठौर, सह सचिव पद हेतु एडवोकेट छोटेलाल प्रजापति, एडवोकेट संजय दुबे, कोषाध्यक्ष पद हेतु एडवोकेट दया शंकर शुक्ला, एडवोकेट श्रीमती पूजा प्रजापति, पुस्तकालय अध्यक्ष पद हेतु एडवोकेट राजकुमार राठौर, एडवोकेट शिव शंकर यादव हैं। उक्त सभी पदों के लिए निर्वाचन की तारीख 5 दिसंबर को तय की गई है।

अमरकंटक में शीतलहर का असर तेज, बजारों में गरम कपड़ों की मांग बढ़ी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश की पवित्र नगरी और 'तीर्थराज' अमरकंटक में शीत ऋतु ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। घने जंगलों व मैकल पर्वतमालाओं से घिरे इस क्षेत्र में पिछले कई दिनों से गिरते तापमान ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया है। मंगलवार की सुबह मौसम ने अचानक करवट लेते हुए न्यूनतम तापमान को $6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में कड़ाके की ठंड का अहसास बढ़ गया। अमरकंटक स्थित धारकुंडी आश्रम के स्वामी लवलीन महाराज ने बताया कि मौसम में आई अचानक गिरावट अब स्थानीय लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि सुबह के समय तापमान $6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। आश्रम परिसर के आसपास सुबह-शाम जमकर ठिठुरन महसूस की जा रही है। लोग अलाव जलाकर गर्माहट पाने की कोशिश कर रहे हैं। तापमान $6 रिकॉर्ड किया गया। शीतलहर का प्रभावः घना कोहरा और बर्फीली हवाएँ क्षेत्र में ठंडी लहर को और तीव्र कर रही हैं। पर्यटकों की भीड़ कायमः नर्मदा उद्गम स्थल, सोन-महानदी उद्गम तथा प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं का आना जारी है, हालांकि लोग अब भारी गर्म कपड़ों और अलाव का सहारा ले रहे हैं।
अमरकंटक अपनी प्राकृतिक सुंदरता और तपस्थली वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। ठंड का मौसम इस प्राकृतिक सौंदर्य को और निखार देता है, लेकिन अचानक तापमान में आई गिरावट से स्थानीय निवासियों को सुबह-शाम कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। बाजारों में ऊनी वस्त्रों की मांग बढ़ी है और कई जगह लोग अलाव के इर्द-गिर्द गर्माहट लेते दिख रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान में और अधिक गिरावट की संभावना है। स्वामी लवलीन महाराज जी ने सभी तीर्थयात्रियों, श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान पर्याप्त गर्म वस्त्र साथ रखें, सुबह-शाम ठंड से बचने के उपाय करें, और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

आवश्यकता है

कार्या- डिजिटल कालेज आफ एजुकेशन कोतमा जिला अनूपपुर मप्र
परिनियम कालेज कोड 28 नियमानुसार लॉ पाठ्यक्रम में पूर्णकालिक नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है आवेदन की अंतिम तिथि 30/11/2025 है

क्रमांक	पद का नाम	पद संख्या	योग्यता	वेतनमान
1	प्राचार्य	01	UGC नियमानुसार	UGC नियमानुसार
2	सहायक प्राध्यापक	09	UGC नियमानुसार	UGC नियमानुसार

नोट - पात्र उम्मीदवारों का चयन साक्षात्कार द्वारा होगा
आदेशानुसार
अध्यक्ष (युवा कल्याण एवं नवीन एजुकेशनल सोसाइटी)
(डिजिटल कालेज ऑफ एजुकेशन कोतमा जिला अनूपपुर मप्र